रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अखबार

प्रधान संपादकः गोपाल गावंडे

वर्ष-13 |अंक-52 |कुल पृष्ठः8-मूल्य-2 रु.

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर, प्रति मंगलवार, 19 मई 2026 से 25 मई 2026 तक

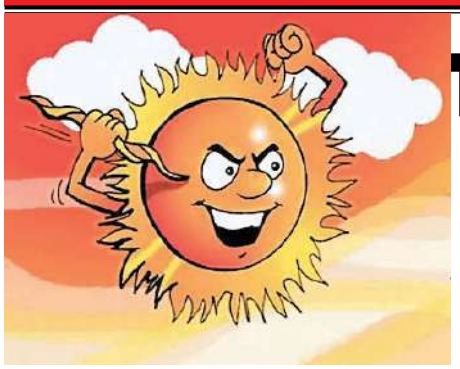

एमपी में आग उगल रहा मौसम, 46 डिग्री पार पहुंचा पारा

भोपाल. मध्य प्रदेश में गर्मी ने विकराल रूप लेना शुरू कर दिया है। खजुराहो में 46.8 डिग्री के साथ प्रदेश का सबसे ज्यादा तापमान दर्ज हुआ, जबकि कई शहर 45 डिग्री के पार पहुंच गए।

भोपाल, इंदौर और ग्वालियर समेत बड़े शहरों में भी लू जैसे हालात बने हुए हैं और मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ने की चेतावनी दी है।

मध्य प्रदेश में गर्मी अब लोगों के लिए मुसीबत बनती जा रही है। मई शुरू होते ही प्रदेश भीषण हीटवेव की चपेट में आ गया है। मौसम विभाग की रिपोर्ट में कई शहरों का तापमान 45 डिग्री के पार दर्ज किया गया, जबकि खजुराहो प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। लगातार बढ़ती तपिश और गर्म हवाओं ने दिन के साथ रातों का सुकून भी छीन लिया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले 3 से 4 दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान 2 से 3 डिग्री तक और बढ़ सकता है। ऐसे में कई जिलों में लू का असर और तेज होने की संभावना है।

भोपाल, इंदौर समेत कई शहर लू की चपेट में

खजुराहो सबसे गर्म, नौगांव भी 46 डिग्री पर पहुंचा

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक खजुराहो में सबसे अधिक 46.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। वहीं नौगांव में 46 डिग्री पारा रिकॉर्ड हुआ।इसके अलावा राजगढ़ में 45.5 डिग्री, रतलाम में 45.4 डिग्री, दतिया में 45.3 डिग्री, खंडवा में 45.1 डिग्री और श्योपुर में 45 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।लगातार बढ़ती गर्मी ने लोगों की दिनचर्या पर असर डालना शुरू कर दिया है। दोपहर के समय बाजार और सड़कें लगभग सूनी नजर आईं।

भोपाल-इंदौर में भी हाल बेहाल

राजधानी भोपाल में तापमान 44 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं इंदौर में 44.3 डिग्री, उज्जैन में 44 डिग्री और ग्वालियर में 43.7 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। दोपहर में गर्म हवाओं के थपेड़ों ने लोगों को घरों में रहने पर मजबूर कर दिया। बाजारों में भीड़ कम रही और लोग सिर ढंककर व पानी की बोतल साथ लेकर निकलते दिखाई दिए।

मौसम विभाग ने दी सतर्क रहने की सलाह

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक प्रदेश में फिलहाल पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी गर्म हवाओं का असर बना हुआ है। आसमान साफ रहने और नमी कम होने से तापमान लगातार बढ़ रहा है। विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धूप में निकलने से बचने, ज्यादा पानी पीने और बच्चों व बुजुर्गों का खास ध्यान रखने की सलाह दी है। डॉक्टरों का कहना है कि लगातार गर्मी में रहने से डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और कमजोरी की शिकायतें तेजी से बढ़ सकती हैं।

जिम के नीचे पटाखा गोदाम में लगी आग-एक दर्जन गाड़ियां खाक

इंदौर के सनावदिया रोड पर उस समय अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया जब वहां स्थित एक पटाखा गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई।

गोदाम के भीतर भारी मात्रा में बारूद मौजूद होने के कारण आग ने बेहद आक्रामक रूप ले लिया। इस आगजनी की चपेट में आने से गोदाम के आसपास खड़े कई वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह पटाखा गोदाम एक संचालित जिम के निचले हिस्से में बना हुआ था। जिस वक्त यह हादसा हुआ, उस समय जिम के अंदर कई युवा वर्कआउट कर रहे थे। आग की लपटें और धुआं देखकर जिम में मौजूद युवाओं में हड़कंप मच गया और उन्हें अपनी जान बचाने के लिए जिम की खिड़कियों और ऊंचाई से नीचे कूदना पड़ा।

शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि गोदाम संचालक ने प्रशासन की हालिया सख्ती और कार्रवाई से बचने के लिए पटाखों के इस बड़े स्टॉक को यहां छुपाकर रखा था। इस रिहायशी और व्यावसायिक क्षेत्र में पूरी तरह से अवैध तरीके से पटाखों का भंडारण किया गया था। गौरतलब है कि देवास की पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण हादसे के बाद से ही इंदौर प्रशासन लगातार मुस्तैद है और विभिन्न पटाखा फैक्ट्रियों तथा गोदामों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारी लगातार सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों पर सील करने की कार्रवाई कर रहे हैं। इसी डर की वजह से गोदाम मालिक ने गुपचुप तरीके से माल को इस बेसमेंट जैसी जगह पर डंप किया हुआ था।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस अग्निकांड की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गोदाम के बाहर खड़ी एक कार और तीन बाइकों समेत कुल एक दर्जन से अधिक वाहन जलकर कोयला हो गए। वाहनों की टंकियों में ब्लास्ट होने की वजह से आग तेजी से फैली, जिसके चलते एहतियात के तौर पर आसपास की सभी दुकानों को तुरंत खाली करवाना पड़ा। राहत की बात यह रही कि इस पूरे हादसे में फिलहाल किसी भी व्यक्ति के हताहत या घायल होने की खबर नहीं है। प्रशासन अभी भी आग लगने के असली कारणों का पता लगाने में जुटा हुआ है।

क्राइम ब्रांच ने हनी ट्रेप के आरोपियों को किया गिरफ्तार

इंदौर. इंदौर में एक प्रमुख शराब कारोबारी को हनीट्रैप में फंसाकर करोड़ों रुपए की वसूली करने का एक सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है।

इस हाई-प्रोफाइल मामले में क्राइम ब्रांच ने तत्परता दिखाते हुए एक महिला शराब तस्कर, उसके बेटे, एक प्रॉपर्टी कारोबारी और पुलिस विभाग के एक हेड कॉन्स्टेबल समेत कई लोगों को हिरासत में लिया है। आरोपियों पर पीड़ित कारोबारी के निजी फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर मोटी रकम वसूलने का आरोप है। इस पूरे घटनाक्रम की मुख्य सूत्रधार वर्ष 2019 के चर्चित हनीट्रैप मामले की मुख्य आरोपी रही श्वेता विजय जैन को बताया जा रहा है, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। फिलहाल पुलिस इस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त (क्राइम) राजेश त्रिपाठी से प्राप्त जानकारी के अनुसार बाणगंगा क्षेत्र के निवासी 45 वर्षीय शराब कारोबारी हितेंद्र सिंह चौहान ने इस संबंध में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि द्वारकापुरी क्षेत्र की रहने वाली अलका दीक्षित से उनका पुराना परिचय था। अलका का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और वह अवैध शराब की तस्करी के मामलों में संलिप्त रही है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक उस पर पहले से ही कई गंभीर मामले दर्ज हैं, जिसके चलते वह पुलिस की नजरों में थी।

पीड़ित कारोबारी के अनुसार अलका दीक्षित ने कुछ समय पूर्व उनकी मुलाकात खंडवा निवासी लाखन चौधरी से करवाई थी। लाखन मूल रूप से पीथमपुर के समीप खंडवा गांव का रहने वाला है। मुलाकात के दौरान लाखन ने स्वयं को एक बड़ा निवेशक और उद्योगपति बताते हुए देवास, धार, खंडवा तथा आसपास के अन्य जिलों में चल रहे प्रॉपर्टी बिजनेस में आधी हिस्सेदारी का प्रस्ताव दिया। जब कारोबारी ने घाटे और अन्य कारणों से इस व्यापारिक प्रस्ताव को पूरी तरह ठुकरा दिया, तो अलका और लाखन ने उन पर मानसिक दबाव बनाना प्रारंभ कर दिया।

अश्लील वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी

कारोबारी चौहान ने शिकायत में आरोप लगाया कि कुछ दिनों के पश्चात लाखन ने उनसे दोबारा संपर्क किया और धमकी भरे लहजे में कहा कि उन्हें प्रॉपर्टी के व्यवसाय में 50 प्रतिशत की साझेदारी देनी ही होगी, अन्यथा उनके पास मौजूद कारोबारी के अश्लील फोटो और वीडियो को सार्वजनिक कर दिया जाएगा। कारोबारी द्वारा इस धमकी को नजरअंदाज करने पर करीब 20 दिन पहले जब वह किसी कार्य से सुपर कॉरिडोर गए थे, तब अलका, उसका बेटा जयदीप और लाखन वहां पहुंचे। तीनों ने कारोबारी के साथ मारपीट की और एक करोड़ रुपए की मांग करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट की अप्रैल 2026 रैंकिंग जारी

थाना बाणगंगा बना नंबर-1

पत्रकार खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा माह अप्रैल 2026 के लिए थानों के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन जारी कर दिया गया है। जारी रैंकिंग में थाना बाणगंगा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया है। वहीं थाना चंदन नगर दूसरे और थाना भंवरकुआं तीसरे स्थान पर रहा।

पुलिस कमिश्नरेट द्वारा जारी इस मूल्यांकन का उद्देश्य थानों के कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनाना बताया गया है। रैंकिंग में अपराध नियंत्रण, शिकायतों के निराकरण, जनता से व्यवहार, लंबित मामलों के निपटारे सहित विभिन्न बिंदुओं को आधार बनाया गया। जारी सूची के अनुसार जोन-3 का थाना बाणगंगा पूरे शहर में प्रथम स्थान पर रहा। वहीं औसत कार्यप्रणाली के चलते थाना परदेशीपुरा अंतिम स्थान पर पहुंच गया। कमिश्नरेट की इस पहल को पुलिस व्यवस्था में प्रतिस्पर्धा और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले थानों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि कमजोर प्रदर्शन वाले थानों में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

शाजापुरः कलेक्टर के निर्देश पर गुलाना तहसील में बड़ी कार्यवाही, भारी मात्रा में अवैध पटाखे जब्त

गुलाना (शाजापुर)। कलेक्टर शाजापुर के कड़े निर्देशों के बाद आज तहसील गुलाना में अवैध पटाखा माफियाओं के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है।

अनुविभागीय अधिकारी (SDM) गुलाना सुश्री नेहा गंगारे के नेतृत्व में टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापामार कार्यवाही करते हुए भारी मात्रा में अवैध पटाखों का जखीरा जब्त किया है। दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में आपराधिक प्रकरण दर्ज कराए गए हैं।

पहली कार्यवाही

पल्लवी कंगन स्टोर, ग्राम कालीसिंध पाडली* प्रशासनिक टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम कालीसिंध पाडली में सौंदर्य प्रसाधनों की आड़ में पटाखों का अवैध खेल चल रहा है।

क्या मिलाःटीम ने जब 'पल्लवी कंगन स्टोर' पर औचक दबिश दी, तो वहाँ दुकान संचालक मनोहर राठौर के पास से बड़ी संख्या में अवैध पटाखे बरामद हुए।

कार्यवाहीःदुकान संचालक पटाखों के भंडारण से जुड़े वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। प्रशासन ने मौके से सभी पटाखे जब्त कर आरोपी के विरुद्ध *थाना बेरछामें मामला दर्ज कराया है।

दूसरी कार्यवाही

गुलाना मुख्य बाजार में आवास सह दुकान पर छापा* दूसरी बड़ी कार्यवाही स्वयं ग्राम गुलाना के मुख्य बाजार में देखने को मिली। यहाँ घनी आबादी के बीच अवैध रूप से बारूद का रिहायशी इलाक़े में संग्रहण किया गया था, जो किसी बड़े हादसे को आमंत्रण दे रहा था।

क्या मिलाःटीम ने अकबर खा मंसूरी के आवास सह दुकान पर छापा मारा। यहाँ से प्रशासन ने 8 बड़े खोखे (बॉक्स)भरकर अवैध पटाखे जब्त किए हैं।

कार्यवाहीःघनी आबादी वाले क्षेत्र में इस तरह का अवैध भंडारण पाए जाने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया और संबंधित आरोपी के खिलाफ थाना सलसलाईमें प्रकरण पंजीबद्ध कराया है।

अधिकारियों का संदेश

अनुविभागीय अधिकारी सुश्री नेहा गंगारे ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध और असुरक्षित पटाखा संग्रहण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनहानि और सुरक्षा को ताक पर रखकर व्यापार करने वालों के खिलाफ आगे भी इस तरह की औचक और सख्त कार्यवाहियां जारी रहेंगी।

कार्यवाही दल में शामिलःअनुविभागीय अधिकारी गुलाना सुश्री नेहा गंगारे, स्थानीय राजस्व अमला और पुलिस बल की मुख्य भूमिका रही।

शिवपुरी मार्ग पर हुई इस अत्यंत दुखद घटना पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

इंदौर से शिवपुरी मार्ग पर हुई इस अत्यंत दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन आफ मध्य प्रदेश बस मालिकों की ओर से शोक संवेदना व्यक्त की गई एवं प्रशासन को मृत बच्चे के परिवार को हर संभव मदद करने का वादा किया

बस मालिक ने कहा कि यह हादसा बहुत ही भयानक हुआ है इसमें सरकार की तरफ से जो भी गाड़ी में सुविधा दी जाती है वह पूरी तरह आरटीओ प्रमाणिक सत्य है कागज भी कंप्लीट है यह हादसा टोल प्लाजा के 1 किलोमीटर की दूरी पर हुआ है टोल प्लाजा पर सरकारी नियम अनुसार एक फायर वाहन एक एंबुलेंस एक क्रेन और एक जेसीबी मशीन की मौजूदगी होना चाहिए जो टोल प्लाजा पर नहीं होती है

जिस समय बस हादसा हुआ उसके 1 घंटे के बाद फायर वाहन आए उसमें भी पानी नहीं था

हमारे संगठन के द्वारा लगातार सेफ्टी आडिट ड्राइवर ट्रेनिंग इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्शन फायर सेफ्टी अवेयरनेस एवं प्रीवेंटिव मेंटेनेंस का कार्य कर रही है आगे भी सुरक्षा मानको को और मजबूत करने के लिए सरकार प्रशासन और वाहन निर्माता के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा इस कठिन समय में हम पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं

हम सभी यात्रियों को विश्वास दिलाना चाहते हैं कि यात्री सुरक्षा हमारे लिए केवल नियम नहीं बल्कि जिम्मेदारी है और नैतिक कर्तव्य है यह जानकारी बस मालिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष नासिर खान ने दी

इस अवसर पर अध्यक्ष अरूण गुप्ता सचिव हरि दुबे कार्यकारिणी सदस्य हरिओम दुबे पवन ट्रेवल्स गोलू शर्मा गोतम ट्रेवल्स हंस ट्रेवल्स के मालिक गुप्ता जी उपस्थित रहे सभी बस मालिकों ने हर संभव मदद करने का वादा किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की

इंदौर में 25 मई को कलेक्ट्रेट में वृद्धजनों के लिए विशेष शिविर आयोजित होगा

इन्दौर. वृद्धजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगामी 25 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा।

यह शिविर जनसुनवाई के दौरान वृद्धजनों से लगातार प्राप्त हो रही समस्याओं के मद्देनजर आयोजित किया जा रहा है। शिविर सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए है कि शिविर का प्रभावी और परिणाम मूलक आयोजन हो और अधिक से अधिक वृद्धजनों को इस शिविर का लाभ मिले यह सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि इस शिविर में सभी एसडीएम अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। बताया गया कि जनसुनवाई में बड़ी संख्या में वृद्धजन अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं, जिनमें पारिवारिक विवाद, भरण-पोषण संबंधी प्रकरण और सामाजिक उपेक्षा जैसे विषय प्रमुख रूप से सामने आते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए विशेष फोकस के साथ यह शिविर लगाया जा रहा है।

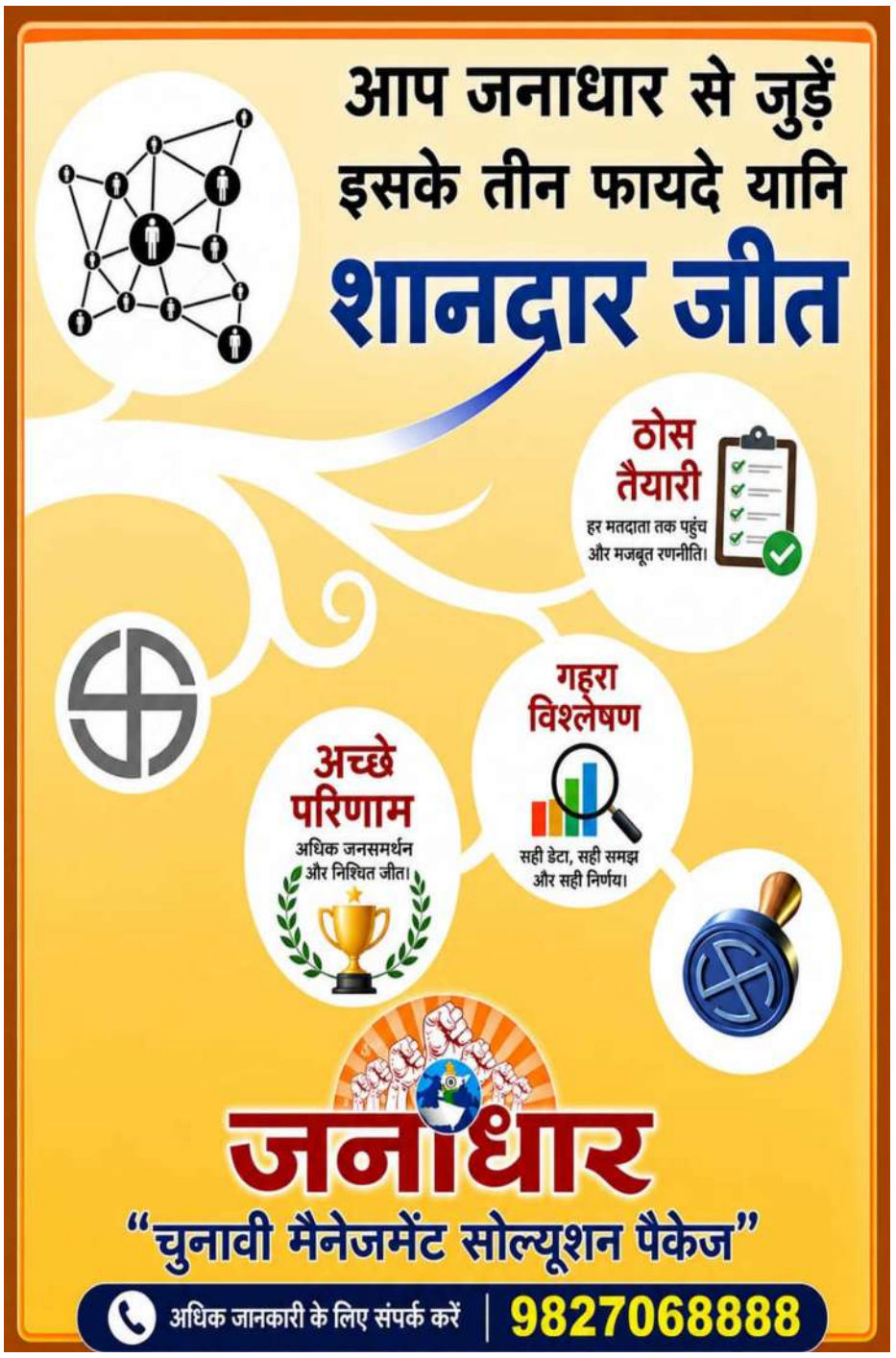

रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

जनसुनवाई बनी जरूरतमंदों के लिए सहारा, इलाज से लेकर बच्चों के भविष्य तक प्रशासन ने बढ़ाया मदद का हाथ

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर विशेष शिविर आयोजित कर 46 बच्चों के बनाए जाएंगे जन्म प्रमाणपत्र, बच्चों को मिलेगी नई पहचान

इन्दौर. इंदौर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई एक बार फिर आमजन के लिए राहत का सशक्त माध्यम बनी।

जनसुनवाई में पहुंचे विभिन्न आवेदकों की समस्याओं को कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने गंभीरता से सुना तथा संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए सहायता उपलब्ध कराई। प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली से लाभान्वित हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।

भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों की सुविधा हेतु विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर परिसर में बैठने की समुचित व्यवस्था, शीतल पेयजल, कुलर एवं मिस्ट कूलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई। साथ ही प्रत्येक आवेदक की वातानुकूलित कक्ष में सुनवाई की गई, ताकि उन्हें सहज एवं सुरक्षित वातावरण मिल सके।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने स्वयं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा पेयजल की गुणवत्ता जांचने के लिए स्वयं पानी पीकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनसुनवाई मेंबोहरा समाज के समाजजनों के साथ पहुंचे श्री शेख ताहा ने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को शॉल पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि बुरहानुद्दीन महूवाला नामक व्यक्ति बीमार अवस्था में लावारिस हालत में सड़क पर मिले थे। जिसके बाद जिला प्रशासन के सहयोग से उन्हें वृद्धाश्रम में भर्ती कर उपचार उपलब्ध कराया गया। इस मानवीय सहयोग के लिए उन्होंने शासन-प्रशासन का आभार जताया।

एयरपोर्ट क्षेत्र निवासी श्री मोहित बच्चों को लेकर जनसुनवाई में पहुंचे। उन्होंने बताया कि आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में क्षेत्र के 46 बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे है। जिससे उन्हें कई परेशानियों के साथ शिक्षा के लिए स्कूलों में एडमिशन नहीं हो पा रहे हैं। इन बच्चों का जन्म अस्पताल में न होकर, घर पर हुआ था। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल क्षेत्र में कल विशेष शिविर आयोजित कर जन्म प्रमाण पत्र बनाने एवं बच्चों का स्कूल में प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एक अन्य प्रकरण में श्रीमती माया मोइन के उपचार की व्यवस्था होने पर क्षेत्रीय रहवासी जनसुनवाई में पहुंचे और माला पहनाकर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा का आभार व्यक्त किया। रहवासी श्री पवन पांचाल ने कलेक्टर श्री वर्मा का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि श्रीमती माया मोइन के लीवर में गांठ थी तथा आर्थिक तंगी के कारण उनका उपचार संभव नहीं हो पा रहा था। जनसुनवाई में मामला सामने आने के बाद कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर डेढ़ लाख रुपए के निःशुल्क उपचार की व्यवस्था की गई। एक-दो दिन में उसका ऑपरेशन कराया जाएगा।

अन्य प्रकरण में एक बालिका को किडनी ट्रांसप्लांट के लिए दो लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई। वे किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं तथा उनकी माताजी उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट करेंगी। सहायता मिलने के बाद परिजनों ने जनसुनवाई में पहुंचकर मिठाई भेंट कर शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारियों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार, श्री रिंकेश वैश्य ने जनसुनवाई में भाग लेकर नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल 21 को सौसर में विशेष कार्यक्रम में होंगे शामिल

सौसर 18 मई - प्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगूभाई पटेल आगामी 21 मई गुरुवार को पांढुरना जिले के सौसर विकास खंड के प्रवास पर रहेंगे।

प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, राज्यपाल सौसर जनपद की ग्राम पंचायत आमला में आयोजित होने वाले एक विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। नए जिले के गठन के बाद महामहिम का यह दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सिकलसेल एनीमिया कैंप का जायजा और हितग्राहियों से संवाद

तय कार्यक्रम के अनुसार, महामहिम राज्यपाल ग्राम पंचायत आमला में सिकलसेल एनीमिया एवं एनसीडी (गैर-संचारी रोग) की जांच के लिए लगाए जा रहे विशाल हेल्थ कैंप का सूक्ष्मता से अवलोकन करेंगे। वे वहां उपस्थित डॉक्टरों और स्वास्थ्य अधिकारियों

से क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेंगे। इसके उपरांत, श्री पटेल प्रदेश व केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों से सीधा संवाद भी करेंगे और योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन का फीडबैक लेंगे।

गुरुवार सुबह 11 बजे आगमन, तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

राज्यपाल का गुरुवार सुबह करीब 11:00 बजे आमला पहुंचने का संभावित कार्यक्रम है। हालांकि, प्रशासन की ओर से अभी तक विस्तृत आधिकारिक प्रोटोकॉल जारी नहीं किया गया है, लेकिन महामहिम के आगमन की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है।

कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था, हेलीपैड निर्माण और अन्य तैयारियों को लेकर अधिकारियों ने मोर्चा संभाल लिया है। इसी सिलसिले में आज सोमवार को सौसर में प्रशासनिक अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई, जिसमें व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इसके पूर्व टल गया था दौरा

उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व भी राज्यपाल मंगूभाई पटेल का बीती 29 जनवरी को सौसर आने का कार्यक्रम प्रस्तावित था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से उनका वह दौरा टल गया था। बहरहाल उनके आगमन को लेकर क्षेत्र प्रशासन ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है।

इंदौर कलेक्टोरेट पर अखिल भारतीय बलाई महासंघ का जोरदार प्रदर्शन

बाबा भूतनाथ मंदिर मार्ग से अवैध कब्जा हटाने की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

इंदौर. आज इंदौर में अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार एवं बाबा भूतनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष रवि पाटीदार के नेतृत्व में इंदौर कलेक्टोरेट का घेराव कर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा राऊ रंगवासा स्थित बाबा भूतनाथ मंदिर तक जाने वाले मार्ग पर कथित रूप से किए गए अवैध अवरोध और कब्जे को लेकर था। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि संजय अग्रवाल द्वारा मंदिर मार्ग को पूरी तरह बाधित कर दिया गया है, जिसके कारण दर्शनार्थियों को मंदिर पहुंचने एवं दर्शन करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस दौरान अखिल भारतीय बलाई महासंघ द्वारा खसरा नंबर 682 एवं 683 की निष्पक्ष जांच कराने तथा अवैध कब्जाधारियों द्वारा किए गए कब्जे को तत्काल

हटाने की मांग उठाई गई।

धरना-प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में समाजजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि धार्मिक आस्था से जुड़े मार्ग को अवरुद्ध करना आमजन की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है।

प्रदर्शन के दौरान जब राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार कलेक्टर से मिलने पहुंचे, तब पुलिस प्रशासन द्वारा उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान धक्का-मुक्की की स्थिति भी निर्मित हुई, लेकिन सभी साथियों के सहयोग से प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर से मिला और अपनी मांगों को मजबूती से रखते हुए ज्ञापन सौंपा।

मनोज परमार ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही अवैध कब्जा नहीं हटाया गया और श्रद्धालुओं की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री खंडूरी के निधन पर दुःख जताया

भोपाल.मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) श्री भुवन चंद्र खंडूरी के देवलोक गमन पर गहन दुःख और संवेदनाएं व्यक्त कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

सहजयोग के माध्यम से ईश्वर की अनुभूति

बाहरी पूजा से आंतरिक जागरण तक

हम अक्सर ईश्वर को मंदिरों, मूर्तियों या बाहरी अनुष्ठानों में खोजते हैं। क्योंकि, बाहरी पूजा-अर्चना मन को शांत करने और ईश्वर के प्रति समर्पण का पहला चरण है। इस, चरण में हम भक्ति मार्ग पर चलते हुये, ईश्वर की आराधना भजन,कीर्तन, उपवास व पूजापाठ से करते हैं जिससे हमें आत्मसंतुष्टि मिलती है। पर, तब भी यदि कहीं न कहीं पूर्ण संतुष्टि का अभाव महसूस होता है, तो हमें समझ लेना चाहिए कि हमारे अंदर ईश्वरीय अनुभूति की प्यास जागृत हो रही है। क्योंकि अंतिम लक्ष्य 'स्वयं को जानना' (आत्म-ज्ञान) ही है। यह आत्मबोध व स्व को समझने या पाने की आकांक्षा है। इस आकांक्षा को सहज योग की भाषा मे शुद्ध इच्छा कहते हैं और सहज योग ज्ञान के लिए शुद्ध इच्छा होनी चाहिए।

सहजयोग के माध्यम से जब साधक आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करता है तब कुंडलिनी माता शक्ति जागृत होकर सुषुम्ना नाड़ी से होती हुई ऊपर उठती है और मस्तिष्क के शीर्ष पर स्थित 'सहस्त्रार चक्र' तक पहुँचती है। जब कुंडलिनी की ऊर्जा सहस्त्रार को पार करती है, तो व्यक्ति का मन वर्तमान में स्थिर हो जाता है और एक ऐसी अवस्था आती है जहाँ मस्तिष्क में कोई विचार नहीं होता। यही ध्यान की सच्ची अवस्था है। जागृति के बाद, व्यक्ति अपने हाथों और शरीर के ऊपर बहती हुई ठंडी या गर्म लहरों (कम्पनों/वाइब्रेशन) के रूप में दिव्य सर्वव्यापी शक्ति (परम चैतन्य) को स्वयं महसूस करने लगता है। आतंरिक जागरण का यह मार्ग सरल है, ईश्वरीय अनुभूति के लिए सर्वोत्तम है क्योंकि इसके लिए ना आध्यात्मिक मंत्रों का ज्ञान चाहिए ना ही इसका कोई शुल्क है।

सहज' का अर्थ है 'सह' (साथ) + 'ज' (जन्मा) यानी वह जो आपके साथ जन्मा है, और 'योग' का अर्थ है जुड़ना। यह प्रक्रिया सहज, सुलभ और स्वस्फूर्त है। सहज योग ईश्वरीय अनुभूति पाने का एक बहुत ही सरल और सुगम मार्ग है।

सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है। सहजयोग की अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

सहज योग

चेतना के उत्कर्ष का पथ

जब मनुष्य संसार की निरंतर भागदौड़, तनाव और अस्थिरता के बीच स्वयं को खोने लगता है, तब उसके भीतर एक गहरी खोज जन्म लेती है — शांति की, सत्य की और अपनी वास्तविक पहचान की। यही खोज उसे आध्यात्मिकता की ओर ले जाती है। सहजयोग इसी आत्मिक यात्रा का वह दिव्य मार्ग है, जो मनुष्य को उसकी चेतना के उच्चतम स्तर तक पहुँचाने का माध्यम बनता है। सहजयोग के अनुसार चेतना केवल सोचने या महसूस करने की शक्ति नहीं है, बल्कि यह हमारे भीतर प्रवाहित होने वाली वह सूक्ष्म दिव्य ऊर्जा है, जो हमारे मन, शरीर और आत्मा को संतुलित करती है। यह चेतना हमारे सूक्ष्म तंत्र — नाड़ियों और चक्रों — के माध्यम से कार्य करती है।

मानव शरीर के भीतर तीन मुख्य नाड़ियाँ बताई गई हैं — इड़ा नाड़ी, पिंगला नाड़ी और सुषुम्ना नाड़ी। इड़ा नाड़ी हमारे भावनात्मक और भूतकाल से जुड़े पक्ष का प्रतिनिधित्व करती है। यह चंद्रमा की तरह शीतल और संवेदनशील ऊर्जा प्रदान करती है। पिंगला नाड़ी हमारी मानसिक और शारीरिक सक्रियता से जुड़ी होती है तथा भविष्य और कर्मप्रधान जीवन का प्रतीक मानी जाती है। इनके मध्य स्थित सुषुम्ना नाड़ी संतुलन और आध्यात्मिक उत्कर्ष का मार्ग है। जब मनुष्य का ध्यान सुषुम्ना में स्थिर होने लगता है, तब उसकी चेतना धीरे-धीरे उच्च अवस्था में प्रवेश करती है और वह भीतर की शांति का अनुभव करता है।

इन नाड़ियों के साथ हमारे सूक्ष्म शरीर में सात प्रमुख चक्र स्थित होते हैं, जो चेतना के विभिन्न आयामों को नियंत्रित करते हैं। मूलाधार चक्र हमारी पवित्रता और स्थिरता का आधार है। स्वाधिष्ठान चक्र रचनात्मकता और सूझबूझ को जागृत करता है। नाभि चक्र संतोष और आंतरिक संतुलन प्रदान करता है। हृदय चक्र प्रेम, सुरक्षा और आत्मविश्वास का केंद्र है। विशुद्धि चक्र संवाद, सामूहिकता और मधुरता को विकसित करता है। आज्ञा चक्र क्षमा और अहंकार से मुक्ति का द्वार खोलता है, जबकि सहस्त्रार चक्र आत्मसाक्षात्कार और परम चेतना से जुड़ने का सर्वोच्च केंद्र माना जाता है।

सहजयोग में जब कुंडलिनी शक्ति जागृत होकर इन चक्रों को भेदते हुए सहस्त्रार तक पहुँचती है, तब व्यक्ति की चेतना का विस्तार होने लगता है। यह अनुभव केवल मानसिक नहीं, बल्कि गहराई से आत्मिक होता है। व्यक्ति अपने भीतर शांति की शीतल लहर, विचारों की निःशब्दता और दिव्य आनंद का अनुभव करता है। जब हमारी चेतना शुद्ध और जागृत होती है, तब हम केवल स्वयं को नहीं, बल्कि पूरे संसार को अधिक प्रेम, शांति और एकत्व की दृष्टि से देखने लगते हैं। यही सहजयोग का सार है — आत्मा के प्रकाश को जागृत कर मानव चेतना को दिव्यता की ओर ले जाना।

सिंगरौली पुलिस ने 02 वर्षीय अपहृत बालिका को 36 घंटे में झारखंड से सकुशल किया दस्तयाब

लगभग 200 सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण एवं 150 पुलिसकर्मियों की सतत मेहनत से मिली कामयाबी

भोपाल. पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा राज्य में गुम एवं अपहृत बालक-बालिकाओं की शीघ्र दस्तयाबीहेतु सघन और सतत अभियान निरंतर चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में 02 वर्षीय अपहृत बालिका को मात्र 36 घंटे के भीतर झारखंड राज्य से सकुशल दस्तयाब कर सिंगरौली पुलिस ने संवेदनशीलता, तत्परता एवं तकनीकी दक्षता का उत्कृष्ट परिचय दिया है। पुलिस की त्वरित एवं समन्वित कार्यवाही से बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया, जिससे परिवार के साथ-साथ आमजन में भी पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

प्रकरण में थाना बैढ़न में 16 मईको फरियादी द्वारा सूचना दर्ज कराई गई थी कि वह अपनी 02 वर्षीय पुत्री के साथ बस स्टैण्ड बैढ़न में सोया हुआ था। देर रात नींद खुलने पर उसकी पुत्री वहां नहीं मिली। आसपास काफी तलाश करने के बाद भी बच्ची का पता नहीं चलने पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका व्यक्त की गई। सूचना पर थाना बैढ़न में प्रकरण पंजीबद्ध कर तत्काल जांच प्रारंभ की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सिंगरौली श्री षियाज के.एम. के निर्देशन में विशेष एसआईटी गठित की गई। उप पुलिस अधीक्षक सुश्री रोशनी पटेल सहित थाना एवं चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में लगभग 150 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों की 10 विशेष टीमों को बालिका की तलाश में लगाया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपहृता एवं आरोपी की जानकारी देने पर 10हजार रूपएके ईनाम की घोषणा भी की गई।

अपहृत बालिका की तलाश हेतु जिले सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं सीमावर्ती राज्यों के पुलिस थानों को रेडियो संदेश प्रसारित किए गए। बैढ़न, विंध्यनगर, मोरवा, बरगवां एवं माड़ा क्षेत्र में रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, अस्पतालों, डैम, नदियों एवं सुनसान स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस द्वारा लगभग 200 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का परीक्षण किया गया तथा बालिका के फोटो पम्पलेट सार्वजनिक स्थानों, ऑटो एवं बसों में चस्पा कर सोशल मीडिया एवं समाचार पत्रों के माध्यम से प्रसारित किए गए।

सीसीटीवी फुटेज के तकनीकी विश्लेषण करने पर पुलिस को एक संदेही व्यक्ति को बालिका के साथ बैढ़न से बिलौजी एवं आगे माजन मोड़ की ओर जाते हुए देखा गया। संबंधित बस चालक, परिचालकों एवं ऑटो चालकों से पूछताछ की गई, जिसके आधार पर पुलिस टीम को जानकारी मिली कि संदेही व्यक्ति निवासी ग्राम मासीआतो थाना बालूमार जिला लातेहार (झारखंड) है, जो बालिका को लेकर अपने गांव चला गया है।

सूचना प्राप्त होते ही पुलिस की विशेष टीमें तत्काल झारखंड रवाना की गईं। पुलिस टीम द्वारा आरोपी को उसके निवास स्थान से गिरफ्तार कर 02 वर्षीय अपहृत बालिका को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया।

मध्यप्रदेश पुलिसआमजन से अपील करती है कि किसी भी बालक/बालिका के गुम होने अथवा संदिग्ध परिस्थिति में दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी थाना एवं डायल-112 को सूचना दें, ताकि समय रहते त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, गुम एवं अपहृत बालक-बालिकाओं की शीघ्र दस्तयाबी तथा "मुस्कान अभियान" के तहत इस प्रकार की विशेष कार्यवाहियां आगे भी निरंतर जारी रहेंगी।

करैरा क्षेत्र में नकली गुटखा कारोबार फिर चरम पर!

हेमंत भार्गव रणजीत टाईम्स शिवपुरी जिला ब्यूरो

नया अमोला, टीला, जुझाई और बड़ोरा गांवों में बड़े स्तर पर अवैध गुटखा-पान मसाला निर्माण और बिक्री जारी होने के आरोप। कुछ दिन पहले अनुविभागीय अधिकारी द्वारा कार्रवाई करते हुए फैक्ट्रियों को सील किया गया था, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ ही दिनों में वही कारोबार फिर शुरू हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि जिन फैक्ट्रियों पर छापा पड़ा था, वे पूरी तरह बंद नहीं हुईं, बल्कि अब दो अन्य गांवों में भी नई फैक्ट्रियां संचालित की जा रही हैं। फूड विभाग की कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि सिर्फ सैम्पल और लिफाफों की कार्रवाई से अवैध कारोबार नहीं रुक रहा। ग्रामीणों ने प्रशासन से कड़ी और स्थायी कार्रवाई की मांग की है।

ऊर्जा मंत्री ने इंदौर में बिजली उपभोक्ताओं से की सीधे बात

विद्युत आपूर्ति में लापरवाही पर 2 इंजीनियरों को नोटिस

भोपाल. ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सोमवार रात इंदौर शहर के बिजली सब स्टेशनों का दौरा किया। उन्होंने उपभोक्ताओं से सीधे बात की, बिजली आपूर्ति के संबंध में प्रथम दृष्टया स्थानीय इंजीनियरों की लापरवाही पाए जाने पर 2 के खिलाफ नोटिस जारी कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री श्री सिंह ने इंदौर के ओल्ड पलासिया पहुंचकर बिजली उपभोक्ताओं से संवाद किया। कुछ उपभोक्ताओं ने बार-बार बिजली जाने की शिकायत की। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इस तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने मुख्य अभियंता श्री आरसी जैन को ओल्ड पलासिया, मनोरमागंज क्षेत्र के बिजली इंजीनियरों श्री सत्यप्रकाश जायसवाल और श्री कमलेश टाले को नोटिस देने के निर्देश दिए। मंत्री श्री तोमर ने निर्देश दिए हैं कि मेंटेनेंस गुणवत्ता से हो ताकि बिजली बार-बार न जाए, मेंटेनेंस की सूचना स्थानीय रहवासियों को दी जाए। बिजली आपूर्ति के संबंध में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऊर्जा मंत्री के निर्देश पर 2 इंजीनियरों को मंगलवार दोपहर नोटिस जारी कर दिए गए। जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर वेतनवृद्धि रोकने की कार्रवाई भी की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिहं चौहान, कार्यपालक निदेशक श्री गजरा मेहता, मुख्य अभियंता कार्य श्री एसएल करवाड़िया, शहर अधीक्षण अभियंता श्री डीके गाठे आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

क्वालिटी ऑडिट मोबाइल ऐप : संस्थाओं की गुणवत्ता सुधार की नई डिजिटल पहल

मध्यप्रदेश में 252 सामाजिक संस्थाओं की निगरानी अब मोबाइल ऐप से

इन्दौर. मध्यप्रदेश में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण के क्षेत्र में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल के रूप में क्वालिटी ऑडिट मोबाइल एप लागू किया गया है।

यह पहल डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य शासन की जनकल्याणकारी सोच को आगे बढ़ाती है। साथ ही विभागीय मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों ने इस व्यवस्था को धरातल पर प्रभावी रूप से स्थापित किया है।

प्रदेश में संचालित शासकीय एवं अशासकीय संस्थाएं जैसे दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र, वृद्धाश्रम, दिव्यांगजनों के संचालित विशेष विद्यालय और नशा मुक्ति केंद्र समाज के कमजोर वर्गों को आश्रय और सेवाएं प्रदान करते हैं। वर्तमान में 252 संस्थाओं के सुचारू संचालन और उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल तकनीक का सहारा लिया गया है। एमपीएसईडीसी के सहयोग से विकसित यह मोबाइल ऐप निरीक्षण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाता है।

इस ऐप की कार्यप्रणाली एक व्यवस्थित प्रक्रिया पर आधारित है, जिसकी शुरुआत जिला अधिकारी द्वारा विभागीय पोर्टल पर लॉगिन करने से होती है। इसके बाद स्थानीय निकाय में पदस्थ सामाजिक सुरक्षा अधिकारी को पोर्टल पर पंजीकृत कर यूजर आईडी प्रदान की जाती है, जो उन्हें एसएमएस के माध्यम से प्राप्त होती है। निरीक्षण कार्य को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए निरीक्षण दल का गठन किया जाता है और उसकी जानकारी पोर्टल पर दर्ज की जाती है।

अगले चरण में संबंधित संस्था का चयन कर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी को निरीक्षण के लिए असाइन किया जाता है। अधिकारी मोबाइल ऐप डाउनलोड कर आवश्यक अनुमतियां प्रदान करते हैं तथा लोकेशन ऑन कर लॉगइन करते हैं। इसके बाद जिस संस्था का निरीक्षण किया जाना है, उसका चयन कर निरीक्षण प्रक्रिया प्रारंभ होती है।

निरीक्षण के दौरान मोबाइल ऐप के माध्यम से संस्था के न्यूनतम 5 फोटो लिए जाते हैं, जिनके साथ विस्तृत विवरण और रिमार्क दर्ज किए जाते हैं। ऐप में निर्धारित प्रश्नों के उत्तर संस्था की वास्तविक स्थिति के आधार पर भरे जाते हैं, जिससे मूल्यांकन निष्पक्ष और तथ्यात्मक बनता है। निरीक्षण के आधार पर अंत में संस्था को ग्रेडिंग प्रदान की जाती है और रिपोर्ट को सबमिट कर निरीक्षण पूर्ण किया जाता है। पूरी प्रक्रिया के बाद निरीक्षण रिपोर्ट संचालनालय और जिला स्तर पर ऑनलाइन उपलब्ध हो जाती है। जिला अधिकारी इन रिपोर्टों और ग्रेडिंग का परीक्षण कर संस्थाओं में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करते हैं। इससे न केवल निगरानी व्यवस्था मजबूत होती है, बल्कि संस्थाओं के संचालन में निरंतर सुधार भी देखने को मिलता है।

राज्य शासन इन संस्थाओं में रहने वाले दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों और अन्य जरूरतमंदों को बेहतर जीवन स्तर, सुरक्षित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित कर रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली अनुदान राशि का सही उपयोग सुनिश्चित करने में भी यह एप महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कुल मिलाकर, यह मोबाइल ऐप मध्यप्रदेश में सामाजिक क्षेत्र की संस्थाओं के लिए एक आधुनिक और प्रभावी निगरानी तंत्र के रूप में उभरा है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से शासन ने यह सुनिश्चित किया है कि सेवा प्रदायगी में पारदर्शिता बनी रहे और प्रत्येक हितग्राही तक गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं पहुंचें। यह पहल न केवल प्रशासनिक सुधार का उदाहरण है, बल्कि संवेदनशील और समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम भी है।

अश्लील फोटो-वीडियो से ब्लैकमेल कर 1 करोड़ की मांग, दो महिलाएं सहित चार गिरफ्तार

इंदौर क्राइम ब्रांच के मुताबिक शराब कारोबारी जितेंद्र ठाकुर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोग उन्हें निजी फोटो और वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर लगातार मानसिक दबाव बना रहे हैं और बदनामी का डर दिखाकर एक करोड़ रुपये की मांग कर रहे हैं।

कारोबारी द्वारा रकम देने से इनकार किए जाने पर आरोपियों ने सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से सामग्री वायरल करने की चेतावनी दी। शिकायत के बाद क्राइम ब्रांच ने तकनीकी और तथ्यात्मक जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि इस पूरे कथित ब्लैकमेलिंग नेटवर्क का संचालन अलका दीक्षित कर रही थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भोपाल निवासी श्वेता जैन, इंदौर निवासी अलका दीक्षित, उसके बेटे और उसके मित्र लाखन पटेल को गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान इंदौर में पदस्थ एक पुलिसकर्मी विनोद शर्मा का नाम भी सामने आया है। फिलहाल उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और उसकी भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस आरोपियों के मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस मामले में अन्य लोग भी जुड़े हैं या नहीं।

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ के तहसील अध्यक्ष बने अमित उपाध्याय,महासचिव आकाश राठौर

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ (नई दिल्ली) की मप्र इकाई द्वारा इंदौर जिले की कार्यकारिणी की घोषणा भव्य समारोह में की गई, जिसमें जिले के साथ-साथ तहसीलों के पदाधिकारियों की भी नियुक्ति की गई।

लोकस्वामी के पत्रकार विनोद शर्मा को जिला अध्यक्ष व प्रवीण जैन को महासचिव नियुक्त किया गया है।

नवनियुक्त कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष अंकित राठौर, यत्नेश सेन, धर्मेंद्र सोलंकी, पूर्णिमा बीसे,सचिव जितेश पाठक, उदय सिंह चावड़ा, कमल चौधरी, महेश शर्मा(टोनी) नियुक्त किए गए। वहीं महू तहसील अध्यक्ष पद पर युवा पत्रकार अमित उपाध्याय व महासचिव आकाश राठौर को नियुक्त किया गया।संयोजन आलोक शर्मा (अकेला), डॉक्टर पंकज विरमाल, नवनीत शुक्ला, ऋषिकांत श्रीवास्तव ने किया।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध मादक पदार्थों की जब्तील के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

विगत दो दिनों में लगभग 1 करोड़ 56 लाख रूपए से अधिक के गांजा, डोडाचूरा एवं अफीम सहित वाहन जब्त

भोपाल. पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के निर्देश पर मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में विगत दो दिनों में अनूपपुर, मंदसौर और नीमच जिलों की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 करोड़ 56 लाख रुपये से अधिक कीमत का गांजा, डोडाचूरा एवं अफीम जब्त किया है। साथ ही तस्करी में प्रयुक्त वाहन भी जप्त किए गए हैं। पुलिस की इन कार्रवाइयों से प्रदेश में सक्रिय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क पर प्रभावी प्रहार किया गया है।

अनूपपुर : जिले के थाना रामनगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम फुलवारीटोला मार्ग पर नाकाबंदी कर एक वाहन को रोका। पुलिस टीम को देखकर चालक ने कार लेकर भागने का प्रयास किया। भागने के प्रयास में वाहन पेड़ से टकरा गया। मौके से पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया। कार की तलाशी लेने पर उसमें से 225 किलो 740 ग्राम अवैध गांजा प्राप्त हुआ। पुलिस ने गांजा एवं कार सहित लगभग 1 करोड़ 12 लाख 87 हजार की संपत्ति जब्त की। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।

मंदसौर : जिले के थाना नारायणगढ़ पुलिस ने डोडाचूरा तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक वाहन से 402 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया। पुलिस ने मुखबिर सूचना पर भांगी पिपलिया से चौथखेड़ी रोड पर नाकाबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से डोडाचूरा, स्कॉर्पियो-N कार एवं मोबाइल सहित लगभग 33 लाख रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

नीमच : जिले की थाना जावद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कार से 01 किलो 784 ग्राम अवैध अफीम जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जावद-नयागांव रोड स्थित ढाबा माता मंदिर पुलिया के पास नाकाबंदी कर कार्रवाई को अंजाम दिया। आरोपी के कब्जे से अफीम एवं तस्करी में प्रयुक्त स्विफ्ट कार सहित लगभग 8 लाख 92 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की गई।

भोपाल : क्राइम ब्रांच भोपाल द्वारा गोविंदपुरा क्षेत्र स्थित RRL ब्रिज के पास कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 21 किलो 20 ग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त किया गया। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 50 हजार रुपये है।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा समाज को नशामुक्त बनाने एवं युवाओं को मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव से बचाने हेतु कठोर वैधानिक कार्रवाई निरंतर की जा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस आमजन से अपील करती है कि इस प्रकार की किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाना अथवा डायल-112 को दें।

ट्रांसमिशन लॉस कम रहने के फायदे

इन्दौर. ट्रांसमिशन लॉस में 0.1 प्रतिशत की कमी भी विद्युत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण तकनीकी एवं आर्थिक उपलब्धि मानी जाती है।

इसका अर्थ है कि उत्पादन केंद्रों से उपभोक्ताओं तक बिजली पहुँचाने के दौरान होने वाली ऊर्जा हानि में कमी आई है, जिससे अधिक उपयोगी विद्युत ऊर्जा उपभोक्ताओं तक पहुँच रही है। बड़े ट्रांसमिशन नेटवर्क में मात्र 0.1 प्रतिशत लॉस कम होने से प्रतिवर्ष करोड़ों यूनिट बिजली की बचत संभव होती है। इससे ग्रिड दक्षता बढ़ती है, वोल्टेज प्रोफाइल बेहतर होता है तथा उपभोक्ताओं को अधिक गुणवत्तापूर्ण एवं स्थिर बिजली आपूर्ति मिलती है। यह उपलब्धि बेहतर रिएक्टिव पावर मैनेजमेंट, कैपेसिटर बैंक स्थापना, उच्च क्षमता उपकरणों के उपयोग, ट्रांसमिशन लाइनों के उन्नयन, स्काडा आधारित मॉनिटरिंग तथा प्रभावी मेंटेनेंस जैसे तकनीकी प्रयासों से हासिल होती है। ट्रांसमिशन लॉस कम होने से अतिरिक्त बिजली उत्पादन की आवश्यकता भी घटती है, जिससे ईंधन बचत, उत्पादन लागत में कमी तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है। इस प्रकार 0.1 प्रतिशत ट्रांसमिशन लॉस में कमी ऊर्जा संरक्षण, आर्थिक बचत एवं अधिक विश्वसनीय विद्युत व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मध्य प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में मिली एक और बड़ी उपलब्धि

एमपी ट्रांसको ने ट्रांसमिशन लॉसेस को पिछले वर्ष के स्तर 2.60 प्रतिशत पर बनाए रखने में हासिल की सफलता

इन्दौर. मध्य प्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने बढ़ती विद्युत मांग, सौर ऊर्जा के बड़े पैमाने पर ग्रिड में एकीकरण तथा लगातार विस्तारित हो रहे ट्रांसमिशन नेटवर्क जैसी चुनौतियों के बावजूद ट्रांसमिशन लॉसेस को पिछले वर्ष के स्तर 2.60 प्रतिशत पर बनाए रखने में सफलता प्राप्त की है।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि वर्ष 2024-25 में प्रदेश का ट्रांसमिशन लॉसेस 2.60 प्रतिशत था तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी इसे इसी स्तर पर बनाए रखना प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र की दक्षता, तकनीकी क्षमता और बेहतर प्रबंधन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में अब तक की सर्वाधिक विद्युत मांग के दौरान भी यह उपलब्धि हासिल होना अत्यंत गौरव का विषय है।

नियामक आयोग के लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन

मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा ट्रांसमिशन लॉसेस का लक्ष्य 2.75 प्रतिशत निर्धारित किया गया था, जबकि एमपी ट्रांसको ने इसे 2.60 प्रतिशत पर बनाए रखकर बेहतर प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि एमपी ट्रांसको को देश की अग्रणी ट्रांसमिशन यूटिलिटीज़ में शामिल करती है।

ऊर्जा मंत्री ने दी बधाई

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि के लिए एमपी ट्रांसको सहित प्रदेश की सभी विद्युत कंपनियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है । उन्होंने कहा कि सभी विद्युत कंपनियों के समन्वित प्रयास, बेहतर तकनीकी प्रबंधन एवं टीम वर्क के कारण ही मध्य प्रदेश ऊर्जा क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020: आंगनवाड़ी और स्कूलों के समन्वय से सुदृढ़ होगी प्रारंभिक शिक्षा की नींव

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के को -लोकेशन के दिशा-निर्देशों से शिक्षा और पोषण के क्षेत्र में बड़े बदलाव की शुरुआत

इन्दौर. छोटे बच्चों की पढ़ाई की शुरुआत अक्सर एक अनजान जगह से होती है, जहां उनको नया माहौल मिलता है। इस माहौल के डर और झिझक को खत्म करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने आंगनवाड़ी और प्राथमिक विद्यालय को अब एक ही परिसर में लाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और 'मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0' के विज़न को धरातल पर उतारने के लिए केन्द्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक बड़ा और दूरदर्शी कदम उठाया है। अब आंगनवाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों का को-लोकेट किया जा रहा है। इस व्यावहारिक रणनीति का उद्देश्य बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और देखभाल की एक ऐसी मजबूत नींव रखना है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल दो संस्थानों को एक परिसर में लाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह महिला एवं बाल विकास और स्कूल शिक्षा विभाग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर बच्चों के लिए एक सुरक्षित, प्रेरक और उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल तैयार करने का महाअभियान है।

क्या बदलेगा इस व्यवस्था से

यह को-लोकेशन मॉडल मुख्य रूप से उन आंगनवाड़ी केंद्रों पर लागू किया जा रहा है जो प्राथमिक विद्यालयों के समीप स्थित हैं और जहाँ बच्चों के लिए सुरक्षित पहुँच उपलब्ध है। इसमें अस्थायी या सीमित संसाधनों वाले परिसरों में चल रहे आंगनवाड़ी केंद्रों को प्राथमिक विद्यालयों में स्थानांतरित कर अधिक सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। ऐसे विद्यालय जहाँ अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध हैं, वहाँ आंगनवाड़ी केंद्रों को को-लोकेट किया जा रहा है जिससे शासकीय परिसंपत्तियों और संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग हो सके। भौगोलिक कारणों से जिन क्षेत्रों में भौतिक रूप से को- लोकेशन संभव नहीं है, वहाँ समीपस्थ प्राथमिक विद्यालयों के साथ आंगनवाड़ी केंद्रों की डिजिटल मैपिंग की जा रही है जिससे दोनों संस्थानों के बीच समन्वय और संसाधनों का साझा उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

इस एकीकृत मॉडल से बच्चों का आंगनवाड़ी केन्द्रों से पहली कक्षा में स्थानांतरण बेहद सुचारू और सहज हो जाएगा। विद्यालय परिसर से पहले से परिचित होने के कारण बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा, जिससे शुरुआती कक्षाओं में होने वाले ड्रॉप आउट की दर में भारी कमी आएगी। इस नई व्यवस्था से आंगनवाड़ी के बच्चों को स्कूलों की आधुनिक अधोसंरचना, खेल के मैदानों और उन्नत शैक्षणिक संसाधनों तक समान पहुँच मिलेगी। बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित होने के साथ-साथ खेल-आधारित पाठ्यक्रमों जैसे 'आधारशिला' और 'जादुई पिटारा' के साझा उपयोग से शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार होगा। आंगनवाड़ी एवं विद्यालीन समन्वय से बच्चों के डेटा का मिलान आसान होगा, जिससे सेवाओं के दोहराव से बचा जा सकेगा और प्रत्येक बच्चे तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुँचना सुनिश्चित हो।

'विद्यारंभ' - म.प्र. ने रचा इतिहास

आंगनवाड़ी और प्राथमिक स्कूलों के इस को-लोकेशन मॉडल को प्रभावी बनाने में 'विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम' एक ऐतिहासिक कड़ी साबित हो रहा है, जो बच्चों की औपचारिक शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत को रेखांकित करता है। राष्ट्रीय चिंतन शिविर के निर्णयों के अनुरूप बाल चौपाल अर्ली चाइल्ड हूड केयर एंड एजुकेशन -डे) के पावन अवसर पर मध्यप्रदेश के 94 हजार से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों में एक साथ "विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरण समारोह" संपन्न हुआ। पूरे प्रदेश में एक साथ इस गरिमामयी अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने वाला मध्यप्रदेश देश का प्रथम राज्य बना है। इस महाअभियान में 5 से 6 वर्ष की आयु वर्ग के 9.28 लाख से अधिक बच्चों को उनके जीवन की पहली औपचारिक शिक्षा यात्रा के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

इस प्रदेशव्यापी आयोजन की व्यापकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें राज्य स्तर पर 1, जिला स्तर पर 65, परियोजना स्तर पर 445, सेक्टर स्तर पर 3,358 तथा आंगनवाड़ी स्तर पर 94,482 सफल कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन सभी स्तरों पर आयोजित कार्यक्रमों में मंत्रियों, विधायकों, कलेक्टर्स, मुख्य कार्यपालन अधिकारियों सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने सहभागिता कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। भविष्य की कार्ययोजना को सुदृढ़ करने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों को पात्र बच्चों की सूची भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे आगामी सत्र में शालाओं में उनका शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जा सके।

इन्दौर. आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) सेमलिया चाऊ द्वारा सेमलिया चाऊ एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विगत 11 मई से "घर-घर योग-हर व्यक्ति निरोग" योग जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

"घर-घर योग-हर व्यक्ति निरोग" अभियान के तहत ग्रामीणों को किया जा रहा योग के प्रति जागरूक

यह अभियान जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि अभियान के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) सेमलिया चाऊ की टीम द्वारा घर-घर पहुंचकर आंगनबाड़ी केंद्रों, पंचायत भवनों एवं ग्रामीण चौपालों पर योग संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रमों में ग्रामीणों को दैनिक जीवन में योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है साथ ही नियमित योग अभ्यास भी कराया जा रहा है।

इस अवसर पर ग्रामीणों को विभिन्न रोगों को दूर करने वाले योग से होने वाले लाभ और उपयुक्त योगासन की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही ग्रामीणों ने नियमित योगाभ्यास से स्वास्थ्य में आए सकारात्मक परिवर्तनों को साझा कर अन्य लोगों को योग अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान आयुष चिकित्सक डॉ. मनीष पटेल, सीएएमओ डॉ. रीना प्रजापत, योग प्रशिक्षक सुश्री गीतांजलि निकम, श्री लाखन चौधरी तथा श्रीमती दवासाज जूर बाई उपस्थित रहे। सभी ने ग्रामीणों के साथ योग अभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने पूर्व सांसद डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. पाण्डेय के द्वारा समाज और संगठन की सेवा में किए गए कार्य सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेंगे।

विकास प्रक्रिया में जनजातीय समाज को शामिल करने प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बनाई नीतियां: मंत्री डॉ. शाह

तकनीकी आधारित जनजाति विकास की अवधारणा पर कार्यशाला का शुभारंभ

भोपाल. जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समाज की पीड़ा को समझा और विकास प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी नीतियां बनायी हैं।

प्रधानमंत्री जनमन योजना एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष जैसी पहल से जनजातीय समाज के उत्थान के लिए ठोस कार्य हो रहे हैं। वे मंगलवार को भोपाल के आदि भवन में जनजातीय गरिमा उत्सव के तहत तकनीकी आधारित सतत् जनजाति विकास अवधारणा पर आयोजित कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में प्रमुख सचिव श्री गुलशन बामरा, आयुक्त डॉ. सतेंद्र सिंह सहित प्रदेश से आए विभाग के मैदानी अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री डॉ. शाह ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यशाला का शुभारंभ किया।

मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि वे वर्ष 1990 से लगातार जनजातीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जनजातीय समाज के साथ लगातार कार्य किया है। विभागीय अधिकारी भी सतत् रूप से गांवों में और वनवासी अंचल के बीच जाएं और उनके जीवन को नजदीक से देखें। साथ ही प्रत्यक्ष अनुभव से जो परिस्थितियां सामने आती है उसे समझें और उसके अनुरूप कार्य करें। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि जनजाति वर्ग के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को उनके द्वार तक पहुँचाने के लिए "जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले" अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान में शिविरों के माध्यम से 18 विभागों की 25 योजनाओं का लाभ जनजाति वर्ग के ग्रामीणों को दिलाया जाएगा।

मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि किस तरह से वनवासी अंचल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि सन 1990 के दशक से लेकर अब तक स्थितियां बदल गयी है। आज जनजातीय समाज, विकास की मुख्यधारा में शामिल हैं। मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र में आंगनवाड़ी केंद्रों में 50 हजार पानी की बॉटल वितरित कर रहे हैं। साथ ही पहली से कक्षा बारहवीं कक्षा तक के 45 हजार बच्चों को पेयजल के लिए पानी की बॉटल प्रदान की हैं। अपने विधानसभा क्षेत्र की 150 ग्राम पंचायतों में वॉटर कूलर और आरओ लगाया हैं। इससे हर गाँव, हर स्कूल में शुद्ध पेयजल सुलभ होगा। उन्होंने कहा कि जनजाति अंचल की बच्चियां शहर के कॉलेज जाने में हिचकिचाती हैं और सुविधाओं के अभाव में उच्च शिक्षा छोड़ भी देती है। ऐसी परिस्थितियों में उन्होंने प्रायोगिक तौर पर अपने क्षेत्र में 4 बसें संचालित की, जिससे कॉलेज जाने वाली बालिकाओं की संख्या 30 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा का अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार होना चाहिए।

कार्यशाला में आयुक्त जनजातीय क्षेत्र विकास डॉ. सतेंद्र सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यशाला में आजीविका तथा रोजगार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग पर मैनिट के एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. संयम शुक्ला ने अपना उद्बोधन दिया। सतत जनजातीय विकास में जीआईएस तथा उपग्रह सुदूर संवेदन विषय पर आईआईएसईआर के एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. कुमार गौरव ने भी संबोधित किया।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में जनजातीय आजीविका तथा उद्यमिता विकास विषय पर आईएएस आरएम ट्राइफेड श्रीमती प्रीति मैथिल ने संबोधित किया। 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारतीय कृषि को बदल रहा है' विषय पर आईआईआईटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शुभ्रज्योति देब ने संबोधित किया। साथ ही "स्वास्थ्य के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग" विषय पर आईआईआईटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निखिल कुमार सिंह ने जानकारी दी।

हत्या या आत्महत्या?

इंदौर | 3 मई 2026 की रात एमआईजी थाना क्षेत्र में हुई अमित यादव की मौत को लेकर परिवारजन ने गंभीर आरोप लगाए हैं।

परिजनों का कहना है कि अमित यादव को पिंकी वर्मा ने अपने घर बुलाया था, जिसके बाद संदिग्ध परिस्थितियों में उसकी मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या या आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर भी लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जब वे पोस्टमार्टम रिपोर्ट लेने पहुंचे तो उनसे लिखित में यह देने को कहा गया कि अमित यादव ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। परिवारजन ने इस पर आपत्ति जताते हुए निष्पक्ष जांच और पिंकी वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मणिपुर में नेशनल हाइवे 5 दिन से बंद

इंफाल। मणिपुर की लाइफलाइन माना जाने वाला नेशनल हाईवे २ पिछले पांच दिनों से पूरी तरह ठप पड़ा है।

प्रधानमंत्री को सौंपे गए मांग पत्र पर कोई प्रगति न होने और सेनापति से अगवा किए गए १४ कुकी नागरिकों को छुड़ाने में सरकार की विफलता के विरोध में यह बंद लगाया गया है।

इसके कारण सेनापति जिले के खोंग्नेम से टी. खुल्लेन के बीच एक हजार से ज्यादा ट्रक, बस जैसे वाहन फंसे हुए हैं। इस बीच कुकी इन्पी संगठन ने सोमवार को बंद की अवधि ४८ घंटे के लिए बढ़ा दिया।

ड्राइवरों के पास खाना खत्म, भूखे-प्यासे रहने मजबूर-बंद में फंसे ट्रक चालक, खलासी और यात्री अपने वाहनों के पास ही खुले आसमान के नीचे रातें काटने को मजबूर हैं।

सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रेस के कोच से निकला धुआं

घोड़ाडोंगरी स्टेशन पर ब्रेक बाइंडिंग के कारण उठी लपटें; 19 मिनट रुकी रही ट्रेन

बैतूल। नागपुर रेल मंडल के घोड़ाडोंगरी रेलवे स्टेशन पर सोमवार रात सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रेस (१२७९१) के स्-७ स्लीपर कोच के पहियों से अचानक धुआं उठने लगा।

ब्रेक बाइंडिंग के कारण हुई इस घटना से यात्रियों में दहशत फैल गई और कई लोग ट्रेन से नीचे उतर आए। हालांकि, आरपीएफ और रेलवे स्टाफ ने तत्परता दिखाते हुए फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से स्थिति पर काबू पा लिया, जिसके बाद ट्रेन को सुरक्षित आगे रवाना किया गया।सोमवार रात करीब ९:४८ बजे ट्रेन जैसे ही घोड़ाडोंगरी स्टेशन पहुंची, स्-७ कोच के पहियों से तेज धुआं निकलता दिखा। मौके पर गश्त कर रहे आरपीएफ जवान आंतरिक शर्मा ने तुरंत इसकी सूचना डिप्टी स्टेशन अधीक्षक को दी। आरपीएफ पोस्ट बैतूल के प्रभारी राजेश बनकर ने बताया कि स्टेशन पर मौजूद फायर सिलेंडर और पेंट्री कार के अग्निशमन उपकरणों का उपयोग कर गर्म पहियों की कूलिंग की गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)